जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 34
दिनांक 26.02.2024

जनेकृविवि में 1 से 3 मार्च तक कृषि तकनीकी विकास एवं प्रसार विषय पर तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

जबलपुर 26 फरवरी, 2024। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर में आगामी 1 से 3 मार्च 2024 तक सोसाइटी ऑफ कृषि विज्ञान अमृतसर पंजाब, फोरम ऑफ केवीके एवं एआईसीआरपी जोरहट असम एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में तथा नाबार्ड के विशेष सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा विदों, वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों और कृषि उद्योग को एक मंच पर लाना है, ताकि अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास पहल 2050 में कृषि के लिए इसकी प्रसारण नीतियों पर चर्चा की जा सके एवं विभिन्न प्रचार प्रक्रिया प्रस्तुत करने सहित कई पहलुओं पर चर्चा को प्रोत्साहित करने की पेशकश की जाएगी।

इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य रूप से कृषि उत्पादन जीविका से स्थिरता कैसे लाई जाए, फसल सुरक्षा एवं परिस्थितिकी, कृषि अर्थशास्त्र सूक्ष्म से वृहद अर्थव्यवस्था तक, तकनीकी के प्रचार–प्रसार की चुनौतियां एवं कृषि में नैनो उर्वरक, ए आई और बायोटेक्नोलॉजी विषयों पर विशेष रूप से मंथन किया जाएगा।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 के बेहतर आयोजन हेतु लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सम्मेलन से संबंधित विभिन्न कमेटी के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष उपस्थित रहे एवं सम्मेलन हेतु की जा रही तैयारियों के विषय में जानकारी प्रदान की गई। डॉ,दिनकर शर्मा द्वारा सभी कमेटी अध्यक्षों को आवश्यक दिशा–निर्देश के साथ ही महत्वपूर्ण सलाह प्रदान की गई ताकि तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का बेहतर आयोजन एवं बेहतर निष्कर्ष कृषि विस्तार एवं भविष्य हेतु प्राप्त हो सके।

राष्ट्रीय सम्मेलन के नेशनल ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी डॉ. ए. के. सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय आयोजन में संपूर्ण राष्ट्र से कृषि वैज्ञानिक, कृषि से जुड़े संस्थाएं, कृषि छात्र एवं किसान आदि भागीदारी निभाएंगे। अगले दो दशकों में वैश्विक और स्थानीय स्तर पर खाद्य मांग में वृद्धि एक महत्वपूर्ण चुनौती है, खासकर जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रमुख रूप से चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी विकास के लिए दिशा, निवेश और समर्पण की महती आवश्यकता है। इसी संदर्भ में विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन के पांच मूल विषय रहेंगे। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर कृषि शिक्षा, शोध एवं विस्तार के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों के मौखिक एवं पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा।

नेशनल ऑर्गेनाइजेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज शर्मा, फाउंडर एसकेवी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक, कृषि छात्र एवं छात्राएं और प्रगतिशील किसान अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगें। सम्मेलन के दौरान कृषि के विभिन्न विषयों पर बेहतर कार्य करने वाले कृषि वैज्ञानिकों को पुरस्कार के साथ सम्मान किया जाएगा।

राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन हेतु समीक्षा बैठक के दौरान विभिन्न कमेटी के अध्यक्ष डॉ. ए. के. राय, डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. संजय वैशम्पायन, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. बी. एस. द्विवेदी, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. रिचा सिंह आदि की उपस्थिति रही।